



## संपादक की कलम से ....

प्रिय पाठकों,  
विद्यालय की वार्षिक पत्रिका के इस नए अंक के साथ,  
हम एक और वर्ष की स्मृतियों, उपलब्धियों और  
अनुभवों को संजोने जा रहे हैं। यह पत्रिका केवल  
पृष्ठों का संकलन नहीं, बल्कि हमारे विद्यार्थियों,  
शिक्षकों और संपूर्ण विद्यालय परिवार की मेहनत,  
रचनात्मकता और सपनों का दस्तावेज़ है।



**राजेश राय सामतानी**

बीते वर्ष ने हमें न केवल नई ऊंचाइयों को छूने का अवसर दिया, बल्कि चुनौतियों से सीखने  
और आगे बढ़ने की प्रेरणा भी दी। शिक्षा केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं होती, बल्कि यह  
चरित्र निर्माण, नैतिक मूल्यों और समाज के प्रति उत्तरदायित्व को समझने की प्रक्रिया भी है।  
इस दिशा में हमारा विद्यालय सदैव प्रयासरत रहा है।

हमारा उद्देश्य केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता तक सीमित नहीं है, बल्कि हमें ऐसी पीढ़ी का निर्माण  
करना है जो समाज के लिए प्रेरणास्रोत बने। आत्मनिर्भरता, सद्भाव, अनुशासन और  
रचनात्मकता जैसे गुणों को आत्मसात कर हम एक उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर हो सकते  
हैं।

इस अंक में विद्यार्थियों की साहित्यिक प्रतिभा, कला कौशल, वैज्ञानिक सोच और नवाचार को  
दर्शाने वाले लेख, पीएम श्री गतिविधियाँ, कविताएँ, निबंध एवं प्रेरणादायक कहानियाँ संकलित  
की गई हैं। शिक्षकों और अभिभावकों के विचार भी इस अंक को और अधिक समृद्ध बना रहे  
हैं।

अंत में, मैं विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकों, विद्यार्थियों और इस पत्रिका के संपादन मंडल को हार्दिक  
धन्यवाद देता हूँ, जिनके सहयोग से यह पत्रिका संभव हो पाई। आशा है कि यह अंक आपको  
प्रेरित करेगा और नए विचारों को जन्म देगा।

नवचेतना के साथ उज्ज्वल भविष्य की कामना ।

शुभकामनाओं सहित,

राजेश राय सामतानी

प्रधान संपादक